>

Title: Regarding increasing incidents of sexual assault on women in Delhi.

प्रो. सौगत राय (दमदम): महोदय, आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। आज सुबह इस सदन में हमने चर्चा सुनी, जिसमें माननीय अध्यक्ष महोदया, नेता प्रतिपक्ष, सम्माननीय गिरिजा व्यास और बहुत सारी महिला सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया और कुछ पुरुष सदस्य, श्री शरद यादव जी ने भाग लिया। आज महिला दिवस है, इसलिए इस विषय पर मैसेज देना जरूरी है। मुझे कहना है कि हम सब लोगों ने तय किया कि अध्यक्ष जी की बात पर चलते हुए कि महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा हम सुनिश्चित करेंगे। लेकिन अभी आप हाउस को देखिए, एक भी महिला सदस्य नहीं है, क्योंकि छः बज गए हैं और आज अखबार में एक सर्वे रिपोर्ट निकली है, टाइम्स आफ इण्डिया और दूसरे अखबारों में, कि दिल्ली में 96 प्रतिशत महिला अपने को शाम ढलने के बाद सुरक्षित नहीं समझती हैं। यहां महिलाओं को सुरक्षा नहीं है। यहां जगदम्बिका पाल जी शासक दल बहुत वरिष्ठ सदस्य, एक कमेटी के चेयरमैन और भूतपूर्व मुख्यमंत्री हैं, उन्होंने भी इस बात को दोहराया है कि दिल्ली में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं से छेड़छाड़ होने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराने में 16 घण्टे लगते हैं। इस सर्वे में यह भी बताया गया कि काम की जगहों पर ह्रासमेंट होता है, उसकी सुनवायी के लिए कोई इंतजाम नहीं है। 16 दिसम्बर की घटना बड़ी दुखद थी। जिसके बाद पूरी दिल्ली उबल पड़ी। पूरी दुनिया में आज निर्भय के नाम की चर्चा हो रही है। अमेरीका में भी उसकी हिम्मत की चर्चा हो रही है। फिर भी हमारी हालत सुधरी नहीं है। यह बहुत दुखद बात है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुझे यह बोलना पड़ा। आपको पता होगा कि जो नया बिल आना था, सरकार जल्दबाजी में एक आर्डिनेंस लाई है। उसकी जगह बिल आना था और वह बिल क्या होगा क्योंकि इसको लेकर होम मिनिस्ट्री और लॉ मिनिस्ट्री का झगड़ा चलता रहता है जिसके कारण बिल फाइनल नहीं किया गया। इसलिए हम जानना चाहता हैं कि क्या यह सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने के मामले में गंभीर है? मैं चाहता हूं कि महिलाओं के साथ जो भी घटनाएं घटती हैं, उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि हिन्दुस्तान की राजधानी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ ऐसी कोई घटना न घटे जो हम सबका सिर देश में और देश से बाहर शर्म से झुका देती है। यही मेरा कहना है।